CS (Main) Exam : 2014

C–DRN–N–RIMB

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल आठ प्रश्न दिए गए हैं जो हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

munotes.in

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :
Answer all of the following in about *150* words each : 10×5=50

(a) यदि जाति भेदभाव में निरन्तरता और सोपान है, तो न्याय का कौन-सा सिद्धान्त इस समस्या को समाप्त कर सकता है?
If caste discrimination has continuity and hierarchy, which principle of justice can dissolve this problem?

(b) बहुसंस्कृतिवाद किस प्रकार पहचान, स्वतंत्रता और समता जैसी उदारवादी धारणाओं को पुनर्भाषित करता है तथा उसके अभिगृहीतों की पुनर्रचना करता है?
How does multiculturalism redefine liberal notions like identity, freedom and equality and reformulate its assumptions?

(c) उदारवादी मानववाद और मार्क्सवादी मानववाद में हम किस प्रकार विभेदन करते हैं?
How do we distinguish Liberal humanism and Marxist humanism?

(d) जॉन ऑस्टिन के सम्प्रभुता के सिद्धान्त के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। यह हॉब्स के सिद्धान्त से किस प्रकार भिन्न है?
Explain the significance of John Austin's theory of sovereignty. How does it differ from that of Hobbes?

(e) क्या हम कह सकते हैं कि प्रजातीय सर्वोच्चता (रेशियल सुप्रिमेसी) जनसंहार का मुख्य कारण है? अपने उत्तर के कारण बताइए।
Can we say that racial supremacy is the main reason for genocide? Give reasons for your answer.

2. *(a)* दंड के किस सिद्धांत, प्रतिशोधात्मक या सुधारवादी, का आप समर्थन करते हैं और क्यों?
Which theory of punishment, retributive or restorative, do you recommend and why? 20

(b) "कोई भी नारी पैदा नहीं होती है, परन्तु वह नारी बन जाती है।" इस कथन की समालोचनात्मक व्याख्या कीजिए।
"One is not born a woman, but she becomes a woman." Critically comment on it. 15

(c) क्या हम परकीयन (एलिनेशन) के विलोपन के द्वारा सामाजिक प्रगति प्राप्त कर सकते हैं? समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
By eliminating alienation can we bring social progress? Critically analyse. 15

3. *(a)* "शक्ति भ्रष्ट बनाती है, पूर्ण शक्ति पूर्णरूपेण भ्रष्ट बनाती है"—इस कथन का तर्क पेश करते हुए विश्लेषण कीजिए।
Analyse the statement with reasons that "Power corrupts, absolute power corrupts absolutely". 20

(b) भारत में जाति-व्यवस्था पर गाँधी एवं अम्बेदकर के बीच बुनियादी भेद क्या हैं?
What are the basic differences between Gandhi and Ambedkar regarding caste system in India? 15

(c) 'न्याय' की मीमांसा के रूप में, अमर्त्य सेन के 'नीति' के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए। 15
Discuss Amartya Sen's principle of *Nīti* as a critique of *Nyāya*.

4. (a) "सभी मानव अधिकार व्यक्तिक अधिकारों पर केन्द्रित हैं।" चर्चा कीजिए। 20
"All human rights are centred on individual rights." Discuss.

(b) बहुसंस्कृतिवाद पर वर्णनात्मक और आदर्शक संदर्शों की व्याख्या कीजिए। 15
Explain descriptive and normative perspectives on multiculturalism.

(c) धर्मतन्त्र की तुलना में, लोकतन्त्र किस मायने में सरकार का एक बेहतर रूप है? 15
In what sense is democracy a better form of Government than theocracy?

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक का लगभग *150* शब्दों में आलोचनात्मक विवेचन कीजिए : 10×5=50
Discuss the following critically in about *150* words each :

(a) यदि ईश्वर को 'एक' माना जाए, तो क्या इससे धार्मिक द्वन्द्व उत्पन्न होंगे?
If God is regarded as 'One', will it give rise to religious conflicts?

(b) किन आधारों पर 'है' और 'चाहिए' का विरोधाभास स्वीकार या अस्वीकार किया जा सकता है?
On what grounds, the dichotomy between 'is' and 'ought' can either be justified or rejected?

(c) आत्मा की अमरता के पक्ष में कौन-से तर्क दिए जाते हैं?
What are the arguments given in favour of the immortality of the Soul?

(d) क्या बहुतत्ववादी (प्लुरलिस्ट) दृष्टिकोण निरपेक्ष सत्य की प्रतिरक्षा कर सकता है?
Can pluralist perspective vindicate Absolute Truth?

(e) 'पुनर्जन्म' को आत्मा के साथ या उसके बिना आप किस प्रकार सिद्ध कर सकते हैं?
How do you justify 'rebirth' with or without the Soul?

6. (a) धार्मिक नैतिकता किस सीमा तक व्यक्तिगत स्वतंत्रता को समाहित कर सकती है? 20
How far can religious morality incorporate individual freedom?

(b) धार्मिक भाषा का आप निस्संज्ञानात्मक (नॉन्-कॉग्निटिव) रूप में किस प्रकार निरूपण करते हैं? 15
How do you formulate religious language as non-cognitive?

(c) क्या ईश्वर के 'प्रत्यय' को तो स्वीकार करना परंतु ईश्वर के 'अस्तित्व' को नकारना आत्म-व्याघाती हो सकता है?
Can it be self-contradictory to accept the 'idea' of God but deny the 'existence' of God? 15

munotes.in

7. *(a)* क्या हितकारी ईश्वर के साथ अशुभ (इविल) समाधेय है?
Is evil reconcilable with the benevolent God? 20

(b) ईश्वर के अस्तित्व के लिए विश्व-कारण-युक्ति (कॉस्मोलॉजिकल आर्गुमेंट) की विवेचना कीजिए तथा उसके गुण व दोष बताइए।
Discuss cosmological argument for the existence of God, and show its merits and demerits. 15

(c) 'अद्वैत' तथा 'विशिष्टाद्वैत' के अनुसार मोक्ष (लिबरेशन) की संकल्पना के बीच साम्य और वैषम्य दर्शाइए।
Compare and contrast the concept of liberation according to 'Advaita' and 'Viśiṣtādvaita'. 15

8. *(a)* 'अंतर्वर्तिता' (इमनेंस) और 'अनुभवातीतता' (ट्रांसेंडेंस) के मध्य जगत् में मनुष्य की प्रस्थिति को सविस्तार स्पष्ट कीजिए।
Elucidate the status of man in the realm between 'immanence' and 'transcendence'. 20

(b) क्या आस्था को उचित सिद्ध करने के लिए तर्क का उपयोग किया जा सकता है?
Can reason be used to justify faith? 15

(c) बौद्ध एवं जैन दर्शन के विशेष उल्लेख के साथ, धार्मिक अनुभवों की परस्पर विरोधी प्रकृति पर चर्चा कीजिए।
Discuss the conflicting nature of religious experiences with special reference to Buddhism and Jainism. 15

★★★

munotes.in